

न्यूज ब्रीफ

आज निकलेगी विशाल

एकता पदयात्रा

बलरामपुर। सरदार बलभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आज 13 नवंबर को सदर विधानसभा क्षेत्र में एकता पदयात्रा एवं जनसभा का आयोजन होगा। मंगलवार को विधायक पलट राम की अध्यक्षता में तैयारी बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तथा की गई। जिला प्रभारी मंत्री राकेश सचावन मुख्य अधिकारी होंगे। पदयात्रा बहादुरापुर पर्यायत भवन से शुरू होकर विधान मार्गों से होते हुए भगवानी आर्थक विद्यालय और घर्मपुर खेल मैदान पर जनसभा के साथ संपन्न होगी। सदर विधायक ने ताजा कि कार्यक्रम को चारों तरफ देखा। श्रद्धामज, गोरा, नारव देहत मंडल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग ले गए।

फाइनल में पहुंची चैनपुर निश्चलपुर की की टीम

बलरामपुर। कोतवाली जयवा पुलिस टीम, ग्राम प्रणाली असाध खान और ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में चैनपुर निश्चलपुर की टीम ने बैठकरीन प्रदर्शन करते हुए बसंतपुर जनकपुर को 15 वाइट के अंतर से पराजित कर छाफ़ानल में प्रवेश किया। अगला मैच सोनादा मुतेहरा और बालापुर जयवा की टीमों के बीच जनजातीय विद्यालय बालापुर में खेला जाएगा।

स्कूल को दी सेनेटरी पैड वेडिंग मशीन

गोंडा: महिला खारस्थ जागरूकता के प्रति भारत विकास परिषद राम की दैर्य नेतृत्व व संगठनीय संगठन भारतीय अध्यक्ष देवेंद्र रस्वरूप खालीवाला का प्रतीक्षय महाराष्ट्रवाच शक्तिकात सक्सेना के निर्देशन में पूर्ण देश में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भारत विकास परिषद विधायक के नेतृत्व पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष मुकुट खेलवाल, प्रतीक्षय अध्यक्ष देवेंद्र रस्वरूप खालीवाला का प्रतीक्षय महाराष्ट्रवाच शक्तिकात सक्सेना के निर्देशन में पूर्ण देश में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ. शैफाली पंड्या ने सौपी मशाल

पंचवडा, बलरामपुर। लखीमपुर में आयोजित नारी उत्कर्ष समरोह के पांच दिवसीय आयोजन के बीच दिन की सायंकालीन बैठक अन्तिम, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर हुई। इसारों नारी शक्तियों की उत्पस्ति में हुए महा दीपयन्न में अखिल विश्व गायत्री परिवार की प्रमुख थीं। शैफाली पंड्या ने महिलाओं का आइन करते हुए कहा कि “इकलौती सदी नारी सदी है” – अब समय आ गया है कि भाली अपनी शक्ति और क्षमता को पहचाने तथा समय परिवर्तन की अग्रदृढ़ बने।

कार बेचने के बाद नहीं मिली पूरी रकम

नवाबगंज: लोकवारीपुर गांव के तिवारी पुराव भवान निवासी सुमीत यादव पुर भवानदे ने एक राही-फरोजाके नाम पर खीरखाई का आपात लगाते हुए थे तो मैतहरी दी है। पीड़ित ने बताया कि करीब चार माह पूर्ण उसने अपनी रिपोर्ट डिजिटर कार 95 हजार रुपये में साहिल ने शोदै के समय 40 हजार रुपये तात्पुर खाते में घूमते नजर आए।

कार बेचने के बाद नहीं मिली पूरी रकम

नवाबगंज: लोकवारीपुर गांव के तिवारी

पुराव भवान निवासी सुमीत यादव पुर

भवानदे ने एक राही-फरोजाके नाम

पर खीरखाई का आपात लगाते हुए

थे। योंगी रेतवे स्टेशन पर राही गांव और

वह सीढ़ी से नीचे गिरे।

राजकुमार बने संरक्षक

गोंडा: ग्रामीण पक्का एसीसीसून की

दीवापाल मॉडल इकाई के परिवारियों

की एक बैठक बुधवार को सिंगारा डाक

बाग में खेली गयी थी।

राजकुमार सिंह को संगठन का संरक्षक

व कापान सिंह तथा दिनेसा पाठक का

मॉडल महामती मनोनीत किया गया।

रेलवे स्टेशन पर गिरे

किसान की मौत

गोंडा: रेलवे स्टेशन पर सीढ़ी चढ़ते समय

चक्कर करने से गिरे किसान की मौत हो

गई। नरेश रामरामी के लिए

लखनऊ का यह

थे। योंगी रेतवे स्टेशन पर राही गांव और

वह सीढ़ी से नीचे गिरे।

सज्जी विक्रेता घायल

नवाबगंज : लोकवारीपुर गांव में

मंगलवार की रात तेज रसार बाईकों की

पुरावाही का शिकायत एक सज्जी विक्रेता

हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से

घायल हो गया जबकि दोनों बाइक सवार

मोक्ष से फरार हो गए। रुधानश तिवारी

पुराव भवान निवासी अंजय तिवारी पुर

छोटी लाल ने पुलिस की दी तरही में

बताया कि वह नवाबगंज सीएसी के

सामने संजी द्वाका दुकान लगाता है।

सज्जी विक्रेता घायल

नवाबगंज : लोकवारीपुर गांव में

मंगलवार की रात तेज रसार बाईकों की

पुरावाही का शिकायत एक सज्जी विक्रेता

हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से

घायल हो गया जबकि दोनों बाइक सवार

मोक्ष से फरार हो गए। रुधानश तिवारी

पुराव भवान निवासी अंजय तिवारी पुर

छोटी लाल ने पुलिस की दी तरही में

बताया कि वह नवाबगंज सीएसी के

सामने संजी द्वाका दुकान लगाता है।

सज्जी विक्रेता घायल

नवाबगंज : लोकवारीपुर गांव में

मंगलवार की रात तेज रसार बाईकों की

पुरावाही का शिकायत एक सज्जी विक्रेता

हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से

घायल हो गया जबकि दोनों बाइक सवार

मोक्ष से फरार हो गए। रुधानश तिवारी

पुराव भवान निवासी अंजय तिवारी पुर

छोटी लाल ने पुलिस की दी तरही में

बताया कि वह नवाबगंज सीएसी के

सामने संजी द्वाका दुकान लगाता है।

सज्जी विक्रेता घायल

नवाबगंज : लोकवारीपुर गांव में

मंगलवार की रात तेज रसार बाईकों की

पुरावाही का शिकायत एक सज्जी विक्रेता

हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से

घायल हो गया जबकि दोनों बाइक सवार

मोक्ष से फरार हो गए। रुधानश तिवारी

पुराव भवान निवासी अंजय तिवारी पुर

छोटी लाल ने पुलिस की दी तरही में

बताया कि वह नवाबगंज सीएसी के

सामने संजी द्वाका दुकान लगाता है।

सज्जी विक्रेता घायल

नवाबगंज : लोकवारीपुर गांव में

मंगलवार की रात तेज रसार बाईकों की

पुरावाही का शिकायत एक सज्जी विक्रेता

हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से

घायल हो गया जबकि दोनों बाइक सवार

मोक्ष से फरार हो गए। रुधानश तिवारी

पुराव भवान निवासी अंजय तिवारी पुर

छोटी लाल ने पुलिस की दी तरही में

बताया कि वह नवाबगंज सीएसी के

सामने संजी द्वाका दुकान लगाता है।

सज्जी विक्रेता घायल

नवाबगंज : लोकवारीपुर गांव में

मंगलवार की रात तेज रसार बाईकों की

पुरावाही का शिकायत एक सज्जी विक्रेता

हो गया। हादसे में वह

गुरुवार, 13 नवंबर 2025

सफेदपोश आतंक

दिल्ली विस्पोट के नये खुलासों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि यह कई शरों में धमाकों की सुव्यवस्थत आतंकी माजिशी श्रृंखला की एक कड़ी थी। जांच एजेंसियों द्वारा पकड़े गए आरोपियों में छंग डॉक्टरों सहित अनेक उच्च शिक्षित युवाओं का शामिल होना यह बताता है कि आतंकवाद वर्चित तबके के साथ ही अब शहरी, शिक्षित, प्रतिष्ठित वर्गों के बीच भी गहरी पैठ बना चुका है। यह सवाल बढ़ेगा और है कि आखिर पढ़े-लिखे, सामाजिक रूप से सफल लोग आतंक के रासन पर क्यों उत्तर रहे हैं? उत्तर है, धर्म के अधूरे घातक ज्ञान के बाद वैचारिक ब्रेनवॉर्स, ऑनलाइन प्रचार और 'डिजिटल रैडिकलाइजेशन' का बढ़ाता जाल।

मीडिया प्लेटफॉर्म, धार्मिक कट्टरपंथी साइटें और एनक्रिएट चैट सप्लाइ अब आतंक के लिए बहाकाम कर रहे हैं जो कभी सीमापार प्रशिक्षण शिविर करते थे। अब आतंकी शिविरों जाने की जरूरत ही वह खुद ऐसे लोगों तक पहुंच रहा है। इन मंचों पर 'युगाओं को यह विश्वास दिलाया जा रहा है' विहिसा किसी उच्चर उद्देश्य के पूर्णता का साधन है। भारत में 'वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' का फैलना इसी प्रक्रिया का नीतीजा है ये लोग न तो आर्थिक रूप से मजबूर हैं और न ही सामाजिक रूप से हाशिए पर, परंतु इन्हें आतंकवादी संगठनों द्वारा 'इंटेलेक्युअल कैप' के रूप में सामाजिक साख बाले चौहरे तथा तकनीकी, वित्तीय और नेटवर्किंग सहायता देने वाले सहयोगी के बतौर इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके चलते आतंकी विचार अब विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और आईटी कंपनियों के गलियों तक पहुंच गया है। इस पूरे नेटवर्क के सूत्र पक्षितान तक जाते हैं। गिरफ्तारियों से साफ है कि धन, विस्पोट के आर डिजिटल सहायता पाकिस्तान की धरती से संचालन समूहों जैश-ए-महमद और लाल-ए-तैयारा से प्राप्त हुई। सैन्य-प्रेड विस्पोटकों तक पहुंच बना लेना और तीन हजार किलो तक समाप्ती जुटा लेना तभी संघर हो सकता है जब इसके पीछे संगठित अंतरराष्ट्रीय लाइजिस्टिक चैनल हों। यह भारत की खुफिया एजेंसियों के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है कि इनके बड़े नेटवर्क को सक्रिय होने में इन्हाँना समय कैसे मिल गया।

"ऑपरेशन सिंदूर" के बाद यह अपेक्षा थी कि पाकिस्तान के भारत की आंतरिक सुरक्षा से खिलवाड़ की कोई और गुंजाइश नहीं बचेगी, लेकिन हकीकत में उसे उत्तना सबक नहीं मिला जितनी जरूरत थी। इसका कारण यह है कि गुह मंत्रालय साइबर इंटेलिजेंस के मजबूत बनाने हुए इस पर बहुतर नियमित करें, विश्वविद्यालयों और अस्पतालों जैसे संवेदनशील संस्थानों में सुरक्षा अडिंग्न नियमित करें। यह भारत की खुफिया एजेंसियों के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है कि भारत आतंकवाद को केवल सीमा-पार चुनौती न मारे, बल्कि उसे "अंदर से पलने वाली" मानसिक और वैचारिक चुनौती के रूप में भी समझे। क्योंकि जब आतंक सफेद कॉलर पहन ले, तब बंदूक से पहले विचार की जंग जीतनी पड़ती है।

प्रसंगवाद

आतंकवाद की उभरती फ़ाइट कॉलर थ्योरी

हाल ही में दिल्ली में लाल किले के पास एक कार में हुए ब्लास्ट से देश एक बार फिर हिल गया है। इस ब्लास्ट के बाद एक बार फिर ब्लाइट कॉलर आतंकवाद की थ्योरी समाने आई है। यह थ्योरी आतंकवाद में शामिल बोले पेशेवर लोगों की पहचान करती है। आखिर क्या है ब्लाइट कॉलर आतंकवाद? सबसे पहले इसे समझने की कोशिश करते हैं। ब्लाइट कॉलर आतंकवाद को मतलब उन लोगों से होता है, जो बड़े पढ़े-लिखे और पेशेवर हैं। इनमें कोई डॉक्टर होता है, तो कोई इंजीनियर या पर्फैनेंस को पेशेवर है। कहने की तो ये सब लोग बहुत पढ़े-लिखे, डिसीधारक और पेशेवर होते हैं, जिनका इनका असली काम आतंकवाद फैलाना और आतंकी गतिविधियों में शामिल होना है। दिल्ली ब्लास्ट में अब तक जितने भी आरोपी पकड़े गए हैं, उनमें से अधिकतर डॉक्टर हैं। दिल्ली ब्लास्ट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जिस आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है, उससे साफ हुआ है कि देशभर में ब्लाइट कॉलर आतंकियों का नेटवर्क बढ़ रहा है। ये लोग शिक्षित होते हैं, अला-अलग पेशे में होते हैं और आम लोगों के बीच रहकर सामाज्य जिंदगी जी रहे होते हैं। असल में ब्लाइट कॉलर आतंकियों को सामान्य लोगों से अलग करना मुश्किल होता है। ये आतंकवादी संगठनों की बैकबॉन होते हैं। हथियार थामने वाले तकनीक जी जुटाते हैं। अतंग जूटाते हैं और पूरे आतंकी संगठन को चलाने में मदद करते हैं। कूल मिलाकर कह सकते हैं कि ये आतंकियों को पांचों से पूरा संपोर्ट देते हैं।

ओसामा ने जिस आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया था। पढ़ाई पूरी पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है। इसके बाद के पहले सीढ़ीएं विधिन राजने के बाद या क्या है कि हम ढाँचे में भी निपट लिया जाएगा।

दोली मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है।

दोली मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है।

दोली मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है।

दोली मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है।

दोली मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है।

दोली मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है।

दोली मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा जीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखायी देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखायी नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में क्लाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानना। कृत भी संदिध लाते हैं जो पूरी प्रशासन और सरकार को जानकारी देता। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी कफन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरक

वि

धि विज्ञान से अपराधों की गुटियां सुलझाने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए सुखद अवसर है और सरोवर नगरी में प्राकृतिक सुंदरता के बीच यह मौका और भी सुनहरा हो जाता है। नैनीताल स्थित कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी कैपस में अब मास्टर ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस कोर्स संचालित होना शुरू हो गया। यह उत्तराखण्ड का एक मात्र सरकारी कॉलेज है, जहां यह विशेष कोर्स उपलब्ध है। फॉरेंसिक साइंस आज के दौर में अपराध जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। चोरी, हत्या से लेकर साइबर अपराध और आतंकवाद जैसे जटिल मामलों में सबूत जुटाने और वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की अहम भूमिका होती है। यही कारण है कि पुलिस विभाग, सीबीआई, एनआईए, एफएसएल और न्यायिक जांच एजेंसियों में फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

-प्रस्तुति
गौरव जोशी, नैनीताल



आधुनिक लैब और प्रैविटकल लर्निंग का अवसर

डीएसबी परिसर के फॉरेंसिक साइंस विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नगमा परवीन के अनुसार यह राज्य का इकलौता सरकारी संस्थान है, जहां दो साल का पैजी डिग्री कोर्स संचालित होता है। विभाग को बायोमेडिकल डिपार्टमेंट के डीन प्रोफेसर महेंद्र राणा के नियन्त्रण में चलाया जा रहा है। दो वर्षीय यह मास्टर प्रोग्राम छात्रों को अन्याचुनिक लैब, आधुनिक उपकरणों और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रायोगिक कार्य के अवसर प्रदान करता है। यहां छात्रों को अपराध स्थलों से सबूतों का वैज्ञानिक विश्लेषण, डीएनए प्रोफाइलिंग, फिंगरप्रिंट एनालिसिस, टाक्सिकोलॉजी, साइबर फॉरेंसिक और क्राइम सीन रिकर्स्क्वेशन जैसी महत्वपूर्ण विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है। कोर्स की सबसे खास बात इसकी सुलभ फीस है। छात्रों को 25,000 रुपये प्रति सेमेस्टर में उच्च स्तरीय शिक्षा और लैब अनुभव का अवसर मिलता है। एक साल में दो सेमेस्टर यानी कुल चार सेमेस्टर हैं।



कैसे करें आवेदन

कुमाऊं विश्वविद्यालय में आवेदन के इच्छुक छात्र समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जुलाई में एंट्रीशन शुरू होते हैं। पदाई ऑफलाइन ही होती है और दूसरे राज्यों के विद्यार्थी निजी हॉस्टल या पीजी में रह सकते हैं। डीन प्रो. महेंद्र राणा के अनुसार, नैनीताल से करीब 12 किलोमीटर दूर पर्यटन स्थल पटवाड़गढ़ में जल्त हो नया कैपस खुल रहा है, जहां यूजी कोर्स भी शुरू होगा।

यहां बना सकते हैं करियर

कम लागत में करियर के नए अवसरों के द्वारा खुलने से यह कोर्स युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। फॉरेंसिक साइंस की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्र सरकारी और निजी फॉरेंसिक लैब्स, पुलिस विभाग, जांच एजेंसियों, न्यायालय और विस्तर सेटर्स में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा वे एस्पर्स्ट विटेस या कैसलेट्ट के रूप में भी करियर बना सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह कोर्स न केवल युवाओं के करियर को नई दिशा देता है, बल्कि उन्हें अपराध जांच की वैज्ञानिक दुनिया में योगदान करने का गौरव भी प्रदान करता है।



नोटिस बोर्ड

■ आज (13 नवंबर) महात्मा ज्योतिबा फुले रहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली का 23 वां दीर्घांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर के अटल सभागार में आयोजित किया जाएगा। इसमें उपराज्यपाल अनंदीबेन पटेल और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवर भी शामिल होंगे। संतोष गंगवर को लाइफ टाइम अवैवर्मेट अवार्ड दिया जाएगा।



इसके अलावा 94 टायपर्स को स्वार्य पदक और 111 विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी।

■ रामपुर में सेवायोजन विभाग द्वारा दो दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 14 व 15 नवंबर को प्रातः 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय पुरानी तहीली में आयोजित होगा। रोजगार मेले में कैरम मोबालिटी पॉल्स्ट्राइप्राइल एवं पुखराज हेल्प केयर प्राइवेट लिमिटेड प्रतिभाग करेंगे।

■ एचबीटीयू में 22 नवंबर को पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित होगा। इस सम्मेलन में 1975 बैच की गोल्डन जुबली व 2000 बैच की सिल्वर जुबली आयोजित होगी। यहां पूर्व छात्र विश्वविद्यालय परिसर आकर पुराने दिन याद करेंगे।



कैपस में पहला दिन कॉलेज जाने के उत्साह में नहीं आई नींद

दिन जब प्रोफेसर क्लास में आए तो उन्होंने सबका अभिवादन किया। एक-एक कर सबका परिचय हुआ। जब मेरा परिचय पूछा गया तो मैंने अपनी खिलाड़ी पृष्ठभुमि को सबसे पहले बताया। मेरी बात जब तक पूरी होती, तब तक प्रोफेसर व क्लास में जौदा सभी ने तालिया बजाकर मेरा अभिवादन किया। यह पल मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक था। कॉलेज के पहले दिन ही मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि अब मैं जीवन के व्यक्त और जिम्मेदार की भूमिका में आ खड़ा हुआ हूँ। क्लास में एक के बाद एक क्षाक्षाएं संतालित होती रहीं। पहले दिन का कॉलेज खम्ब हो गया। बाबूजूद किसी को भी घर जाने का मन नहीं हो रहा था। ऐसे में क्लास में ही सभी ने दोस्ती भरे माहौल में एक दूसरे से बातचीत की। उस दिन दोस्ती आज भी सुख और दुख के पलों में जिंदा है।

-सुशील शर्मा
चंगरमैन, इंडस्ट्री कमेटी, मर्चेंट चंगर ऑफ उत्तर प्रदेश, कानपुर।

ऑफ बीट कोर्स नई पीढ़ी के लिए नए रास्ते

अगर आप जिंदगी में कुछ बड़ा करना चाहते हैं, तो जरूरी नहीं कि डॉक्टर, इंजीनियर या चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना ही एकमात्र रास्ता हो। अब वक्त है।

अपनी रुचि और क्रिएटिविटी को पहचानने का। आज ऐसे कई ऑफ बीट कोर्स हैं, जिनमें कंपटीशन कम और कमाई ज्यादा है। इन कोर्सों के जरिए आप नए अलग पहचान बना सकते हैं, बल्कि अपने पैशेंशन को भी बदल सकते हैं।

क्या होते हैं ऑफ बीट कोर्स

ऑफ बीट कोर्स वे होते हैं, जो पारंपरिक विषयों से अलग, नए और इनोवेटिव करियर विकल्प देते हैं। इनका उद्देश्य सिफ़े दिग्री पाना नहीं, बल्कि आपकी इंटरेस्ट और टैलेंट को पेशेवर रूप देना है। ऐसे कोर्सों में प्रैक्टिकल कॉलेज और स्किल डेवलपमेंट पर खास ध्यान दिया जाता है।

ग्राफिक डिजाइनिंग

आपको रंग, ड्रॉइंग और विजुअल क्रिएटिविटी से लगाव है, तो ग्राफिक डिजाइनिंग एक सुनहरा विकल्प है। इस कोर्स में आप सीखते हैं कि किसी आइडिया को एक अपर्कार फॉर्म में कैसे बदला जाए। ब्राइंडिंग, एडवरटाइजिंग, सोशल मीडिया और डिजिटल कंटेंट के दौर में इसकी मांग तेजी से बढ़ी है।

फिल्ममेकिंग और सिनेमैटोग्राफी

बॉलीवुड, ओटीटी या यूट्यूब- प्रो कहानी कहने की कला की जरूरत होती है। फिल्ममेकिंग कोर्स में कैमरा हॉडलिंग, एडिटिंग, रिकॉर्ड राइटिंग और डायरेक्शन जैसी तकनीकी रिकल्स सिखाई जाती है। अगर आप विजुअल स्टोरीटेलर हैं, तो यह फ़िल्म आपके लिए परफेक्ट है।

ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट

यदि आपको नए स्थानों की खोज और लोगों से मिलना पसंद है, तो ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट को रोमांचक विकल्प है। आप एयरलाइन, ट्रैवल एंड ट्रैकल या ट्रैवल प्लानर के रूप में काम कर सकते हैं। इस कोर्स से विदेशों में भी शानदार करियर बनता है।



डिजिटल मार्केटिंग

डिजिटल युग में हर ब्रांड को ऐसे लोगों की समर्थन करना आवश्यक है। जो ऑनलाइन डिजिटल मार्केटिंग में आयोजित होता है। डिजिटल सोल्यूशन्स, कंटेंट क्रिएशन, इमेल और पेड कैमेन क्रिएटिव स्टूडियो आदि जैसे स्टॉलंस बनाने का मार्ग आपको देता है। इस कोर्स से आप फ़िल्मांस बनाने की अच्छी कमा सकते हैं।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB)

■ पद का नाम: जूनियर एसोसिएट, सहायक प्रबंधक
■ पदों की संख्या: 2700
■ वेतन: 15,000
■ योग्यता: स्नातक
■ आयु सीमा: 20 से 28 वर्ष
■ आवेदन की अंतिम तिथि: 01-12-2025
■ वेबसाइट: bankofbaroda.bank.in

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

■ पद का नाम: सहायक कंप्रेस खुफिया अधिकारी ग्रेड II/तकनीकी
■ पदों की संख्या: 258
■ वेतनमान: रु. 44,900-14,2400
■ योग्यता: बी. टेक/बी. ई. एम. एससी
■ आयु सीमा: 18 से 27 वर्ष
■ आवेदन की अंतिम तिथि: 16-11-2025
■ अधिकारिक वेबसाइट: mha.gov.in

